ज़िन्दगी | By Ranjeeta Shahi

हर ख़ुशी मिल रही हे श्याम तेरे दरबार से
आई हूँ शरण तिहारी जबसे खाली ना आई मैं हर बार रे

जिनकी कृपा से ज़िन्दगी कटती है शान से
उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से

महिमा मैं जब से गाये रही वाणी के रूप मैं
करुणा की छाँव मिल रही संकट की धूप में
कश्ती भवर से निकली है हर एक तूफ़ान से
उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से
जिनकी कृपा से ज़िन्दगी कटती है शान से

है कौन जिसपे श्याम का जादू नहीं चला
जादू से इसके कोई कैसे बचे भला
मुस्कान इसकी भक्तों को मारे है जान से
उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से
जिनकी कृपा से ज़िन्दगी कटती है शान से

इनकी कृपा की प्रेमियों वाह वाह क्या बात है
ऊँगली अगर बढ़ाओ तो पकडे ये हाथ है
गाता सकल जगत ये ही दिल से जुबां से
उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से
जिनकी कृपा से ज़िन्दगी कटती है शान से

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%97%e0%a5%80-by/